International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
ISSN -2393-8048, July-December 2022, Submitted in October 2022, iajesm2014@gmail.com

ग्रामीण महिला जनसंख्या की कृषि कार्य में सहभागिता का भौगोलिक विश्लेषणः तहसील सिकन्द्राराऊ (जनपद हाथरस) के विशेष सन्दर्भ में

Pavan Kumar Sengar, Senior Research Fellow, Dept. Of Geography, St. John's College, Agra, pavansengar03@gmail.com

भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि प्रधान देश में स्थानीय महिलाओं की पुरुषों की अपेक्षा अधिक एवं प्रभावी भागीदारी इसके सर्वोत्तम उदाहरण हैं। वर्तमान में महिलायें घर की चाहर दीवारी को लाघंकर पुरुषों के साथ कन्धें से कन्धा मिलाकर कृषि कार्य कर रही है। कृषि कार्य में पुरुषों के समान ही महिलायें भागीदारी कर अधिक उत्पादन करने की होड़ में लगी रहती है। कृषि सम्बन्धी विभिन्न कार्यो में महिलाओं को दक्षता प्राप्त है जैसे धान की रोपाई, नराई, आलू की बुबाई एवं खुदाई, गन्ने की बुबाई, छिलाई और गेहूँ की कटाई आदि कार्यों को शीघ्रता पूर्वक सम्पन्न कर लेती हैं, पुरुषों के समान महिलाएं खेतों पर कार्य करती हैं, किन्तु पुरुषों की अपेक्षा यह कृषि कार्य में कम समय दे पाती हैं, जिसका प्रमुख कारण पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं की सुरक्षा आदि से जुडा प्रश्न है। ग्रामीण अंचलों में कृषि एवं अनुषंगी क्षेत्रों में सहभागी महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार एवं कृषि सम्बन्धी विभिन्न योजनाओं का विस्तार तथा लाभ प्रदान करने की आवश्यकता है। महिलाओं के विकास के लिए मृदा संरक्षण, सामाजिक वानिकी एवं डेयरी विकास, बागवानी, पशुपालन, मुर्गीपालन, मत्स्य पालन जैसे उद्योगों में प्रशिक्षण देने के कार्यक्रमों में और अधिक से अधिक विस्तार किया जाना चाहिए जिससे कि महिलाओं की कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित उद्योगों में उनकी सहभागिता बढ़ सकें और महिलायें अपनी सामाजिक–आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकें।

अध्ययन क्षेत्र– प्रस्तुत शोध पत्र का अध्ययन क्षेत्र हाथरस जनपद की सिकन्द्राराऊ तहसील है। अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक क्षेत्रफल 263 वर्ग किमी0 है। तहसील की उत्तरी सीमा अलीगढ़ जनपद पूर्वी सीमा कासगंज जनपद, दक्षिणी सीमा एटा जनपद तथा पश्चिमी सीमा हाथरस जनपद की सासनी एवं हाथरस तहसील से मिलती है। प्रशासनिक दृष्टि से सिकन्द्राराऊ तहसील में एक तहसील मुख्यालय दो विकास खण्ड मुख्यालय, दो नगर पालिका मुख्यालय, 18 न्याय पंचायत मुख्यालय, 109 ग्राम पंचायत मुख्यालय तथा 165 राजस्व ग्राम सम्मिलित है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार तहसील की कुल जनसंख्या 404567 व्यक्ति है जिसमें 215618 पुरुष तथा 188949 महिलायें सम्मिलित है।

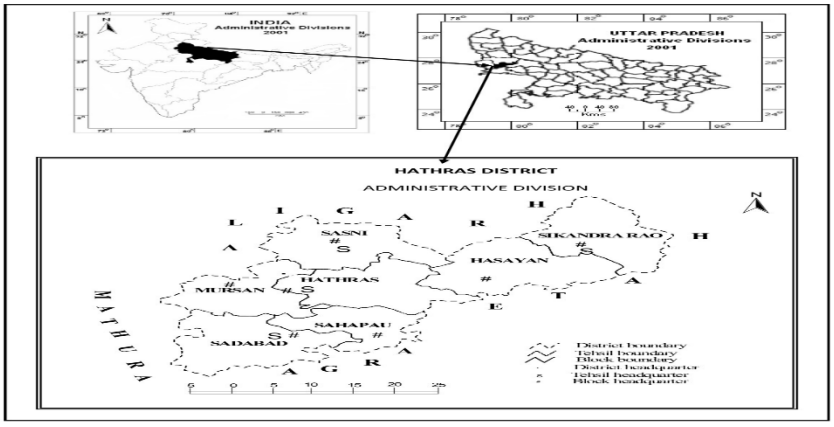

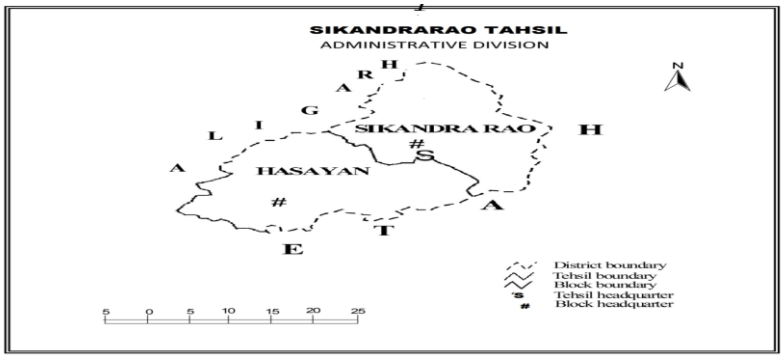

उद्देश्य– प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य कृषि कार्यों में महिलाओं की कार्य सहभागिता दर का भौगोलिक विश्लेषण करना है जिसके अन्तर्गत महिलाओं की कृषि क्षेत्र में कार्य सहभागिता का विश्लेषण जातिगत तथा साक्षरता स्तर के आधार पर किया गया है।

विधि तन्त्र– प्रस्तुत शोध पत्र में ऑकडों का एकत्रीकरण प्राथमिक एवं द्वितीयक ऑकडों के माध्यम से किया गया है। प्राथमिक ऑकडों के संग्रह के लिए शोधार्थी द्वारा सिकन्द्राराऊ तहसील के दोनों विकास खण्डों से दो–दो ग्राम कुल चार ग्रामों का चयन दैव प्रतिचयन विधि द्वारा कर प्रत्येक ग्राम से 20–20 परिवारों

(कुल 80 परिवार) का व्यक्तिगत सर्वेक्षण साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से किया गया है तथा द्वितीयक ऑकडों को भारतीय जनगणना सार उ0प्र0 2011, जिला सांख्यिकीय पत्रिका, समाचार पत्रों एवं अन्य प्रकाशित अभिलेखों के माध्यम से पूरा किया गया है।

सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या का स्थानिक वितरण प्रतिरुप–

सन् 2022 में सिकन्द्राराऊ तहसील के कुल 80 सर्वेक्षित परिवारों की कुल जनसंख्या 474 रही जिनमें 20 परिवारों की सर्वाधिक जनसंख्या (129) भटीकरा ग्राम में रही जबकि न्यूनतम जनसंख्या सर्वेक्षित ग्राम अगसौली में रही।

तालिका –1 सिकन्द्राराऊ तहसील की ग्रामीण महिला जनसंख्या का आकार एवं वितरण प्रतिरुप

क्र. सं.	चयनित ग्राम	विकास खण्ड	कुल सर्वेक्षित परिवारों की संख्या	कुल सर्वेक्षित ग्रामीण जनसंख्या	कुल सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या	कुल सर्वेक्षित ग्रामीण जनसंख्या में महिला जनसंख्या का प्रतिशत	जनगणना 2011 के अनुसार ग्रामीण जनसंख्या में महिला जनसंख्या का प्रतिशत
1	अगसौली	सिकन्द्राराऊ	20	100	44	44.00	46.84
2	भटीकरा	सिकन्द्राराऊ	20	129	60	46.51	45.82
3	बसई	हसायन	20	119	55	46.22	46.65
4	पांयदापुर	हसायन	20	126	55	43.65	46.82
	योग		80	474	214	45.15	46.64

स्रोतः परिवार साक्षात्कार अनुसूची सन् 2022 एवं भारतीय जनगणना सार 2011

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार सिकन्द्राराऊ तहसील में कुल ग्रामीण महिलाओं की संख्या 153594 है जो तहसील की कुल ग्रामीण जनसंख्या का 40.48 प्रतिशत भाग है।

तालिका 1 के अनुसार कुल सर्वेक्षित ग्रामीण महिला का सर्वाधिक प्रतिशत (46.22) बसई ग्राम में रहा जबकि न्यूनतम प्रतिशत (43.65) पांयदापुर सर्वेक्षित ग्राम में पाया गया। जनगणना 2011 के अनुसार यही सर्वाधिक प्रतिशत 46.84 अगसौली ग्राम में रहा जबकि न्यूनतम प्रतिशत 45.82 भटीकरा ग्राम में दर्ज किया गया।

सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या का साक्षरता प्रतिरुप–

सिकन्द्राराऊ तहसील की सर्वेक्षित महिला ग्रामीण जनसंख्या में सन् 2022 के साक्षरता दर के सर्वेक्षित ऑकडों एवं जनगणना 2011 के साक्षरता के ऑकडों को तालिका 3 में प्रदर्शित किया गया है। तालिका 3 में सर्वेक्षित क्षेत्रों की कुल सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या, 7 तथा 7 वर्ष से अधिक उम्र की कुल महिलाओं की संख्या तथा सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या की साक्षरता दरों एवं जनगणना 2011 की साक्षरता दरों को दर्शाया गया है।

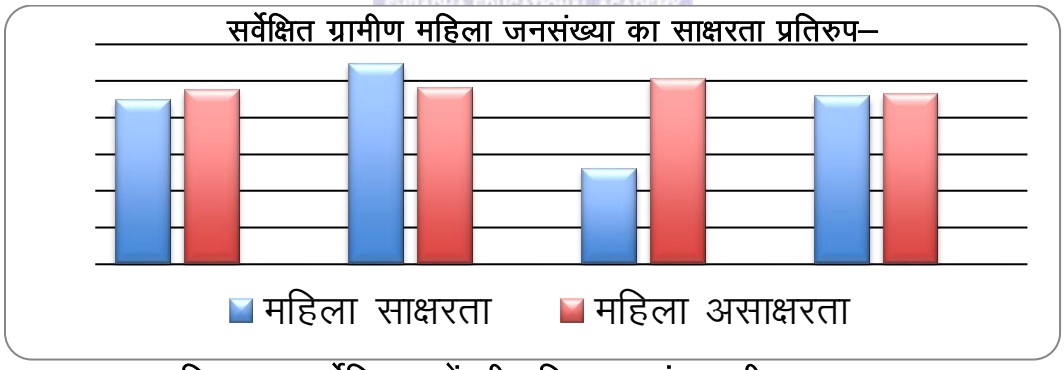

तालिका –2 सर्वेक्षित ग्रामों की महिला जनसंख्या की साक्षरता दर

क्र. सं.	चयनित ग्राम	कुल सर्वेक्षित महिला जनसंख्या	07 तथा 07 वर्ष से अधिक की कुल महिला जनसंख्या	07 तथा 07 वर्ष से अधिक की कुल साक्षर महिला जनसंख्या	सर्वेक्षित महिला जनसंख्या में साक्षरता का प्रतिशत	जनगणना 2011 के अनुसार साक्षरता का प्रतिशत
1	अगसौली	44	38	17	44.73	52.43
2	भटीकरा	60	53	29	54.72	51.84
3	बसई	55	46	12	26.09	49.43
4	पांयदापुर	55	48	22	45.83	53.45
	योग	**214**	**185**	**80**	**43.24**	**67.23**

स्रोतः परिवार साक्षात्कार अनुसूची सन् 2022 एवं भारतीय जनगणना सार 2011

तालिका 2 से स्पष्ट है कि सिकन्द्राराऊ तहसील की सर्वेक्षित ग्रामों में सर्वाधिक महिला साक्षरता दर 54.72 प्रतिशत भटीकरा ग्राम में एवं न्यूनतम महिला साक्षरता दर 26.09 प्रतिशत बसई ग्राम में दर्ज की गई। जबकि जनगणना 2011 के ऑकडों के अनुसार सर्वाधिक महिला साक्षरता दर 53.45 प्रतिशत पांयदापुर ग्राम में तथा न्यूनतम महिला साक्षरता दर 49.43 बसई ग्राम में रही। सिकन्द्राराऊ तहसील की कुल सर्वेक्षित महिला जनसंख्या में साक्षरता दर 43.24 प्रतिशत रही जबकि जनगणना 2011 के अनुसार इन्ही चयनित ग्रामों में साक्षरता दर 67.23 प्रतिशत रही जो सर्वेक्षित महिला जनसंख्या की साक्षरता दर से 23.99 प्रतिशत अधिक है।

तालिका –3 सर्वेक्षित असाक्षर ग्रामीण महिला जनसंख्या की कृषि में कार्य सहभागिता दर

चयनित ग्राम	कुल सर्वेक्षित महिला जनसंख्या	असाक्षर महिला जनसंख्या	असाक्षर महिला जनसंख्या का प्रतिशत	जनगणना 2011 के अनुसार असाक्षर महिला जनसंख्या का प्रतिशत	विभिन्न कृषि कार्यों में सहभागिता का प्रतिशत		
					कृषक	खेतिहर मजदूर	बटाई कृषि
अगसौली	44	21	55.27	47.57	9.52	57.14	4.76
भटीकरा	60	24	45.28	48.16	20.83	29.16	16.66
बसई	55	34	73.91	50.57	2.94	61.76	14.70
पांयदापुर	55	26	54.17	46.55	7.69	38.46	11.54
योग	**214**	**105**	**56.76**	**32.77**	**12.38**	**38.09**	**12.38**

स्रोतः परिवार साक्षात्कार अनुसूची सन् 2022 एवं भारतीय जनगणना सार 2011

तालिका 3 के विश्लेषण से स्पष्ट है कि सिकन्द्राराऊ तहसील की सर्वेक्षित ग्रामों में सर्वाधिक असाक्षर ग्रामीण महिला जनसंख्या 73.91 प्रतिशत बसई ग्राम में रही जबकि न्यूनतम असाक्षर महिला जनसंख्या 45.28 भटीकरा ग्राम में दर्ज की गई। सर्वेक्षित ग्रामों की असाक्षर महिला जनसंख्या का कृषि कार्यों में सहभागिता का प्रतिशत कृषक, खेतिहर मजदूर तथा बटाई कृषि के रुप में क्रमशः 12.38, 38.09, तथा 12.38 रही। उक्त तालिका से यह भी स्पष्ट है कि समस्त सर्वेक्षित ग्रामों में कृषक एवं बटाई कृषि की महिलाओं का प्रतिशत लगभग बराबर रहा जबकि खेतिहर मजदूर महिला जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक पाया गया।

इस प्रकार तालिका 2 व 3 के विश्लेषण से स्पष्ट है कि सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या में साक्षर जनसंख्या का प्रतिशत सामान्य से अधिक पाया गया लेकिन यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि साक्षर महिला जनसंख्या में अधिकांश महिला जनसंख्या मात्र हस्ताक्षर करने में ही समर्थ है।

तालिका –4 ग्रामीण महिला जनसंख्या की कार्य सहभागिता दर

चयनित ग्राम	कुल सर्वेक्षित महिला जनसंख्या	सर्वेक्षित कार्यशील ग्रामीण महिला जनसंख्या की कृषि कार्य में सहभागिता (प्रतिशत में)		
		कृषक महिला जनसंख्या का प्रतिशत	खेतिहर मजदूर महिला जनसंख्या का प्रतिशत	बटाई पर कृषि करने वाली महिला जनसंख्या का प्रतिशत
अगसौली	44	9.09	43.18	13.63
भटीकरा	60	11.67	38.33	15.00
बसई	55	3.63	43.63	20.00
पांयदापुर	55	21.82	34.54	5.46
योग	**214**	11.68	35.05	13.56

स्रोतः परिवार साक्षात्कार अनुसूची सन् 2022

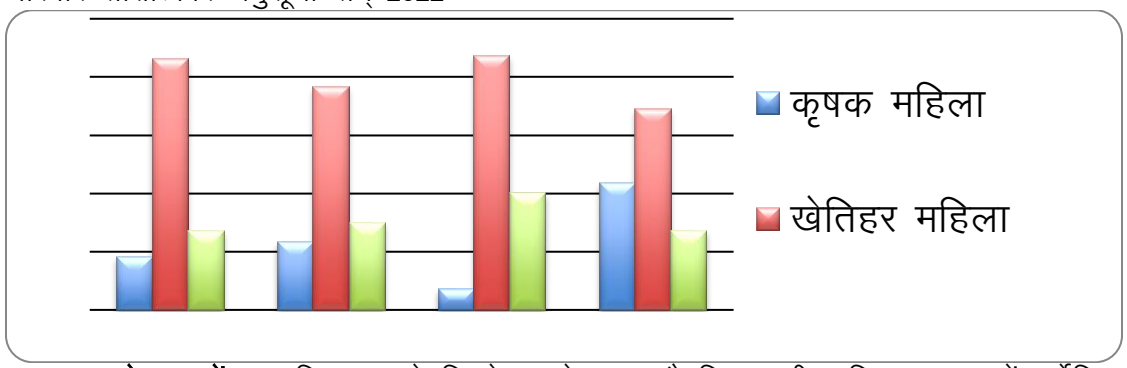

कृषक के रुप मेंः– तालिका 4 के विश्लेषण से स्पष्ट है कि तहसील सिकन्द्राराऊ में सर्वेक्षित ग्रामों की कुल सर्वेक्षित कार्यशील ग्रामीण महिला जनसंख्या में 11.68 प्रतिशत महिलायें कृषक के रुप में कार्य कर

रही है। सर्वेक्षित ग्रामों की कृषक महिला जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत (21.82) पांयदापुर ग्राम में तथा न्यूनतम प्रतिशत (3.63) बसई सर्वेक्षित ग्राम में पाया गया।

खेतिहर मजदूर के रुप में:– सन् 2022 में सिकन्द्राराऊ तहसील के सर्वेक्षित कार्यशील ग्रामीण महिला जनसंख्या में खेतिहर मजदूर महिला जनसंख्या का अधिकतम प्रतिशत बसई तथा अगसौली सर्वेक्षित ग्रामों में लगभग बराबर (43.63 एवं 43.18) सर्वेक्षित ग्राम पांयदापुर में खेतिहर मजदूर महिला जनसंख्या का न्यूनतम प्रतिशत 34.54 रहा।

कृषि बटाई के रुप में:– सिकन्द्राराऊ तहसील के सर्वेक्षित ग्रामों की कार्यशील ग्रामीण महिला जनसंख्या में बटाई पर कृषि करने वाली महिलाओं का सर्वाधिक प्रतिशत (20.00) बसई ग्राम में तथा न्यूनतम प्रतिशत (5. 46) सर्वेक्षित ग्राम पांयदापुर में पाया गया।

तालिका –5 ग्रामीण महिला जनसंख्या की जातिगत संरचना तथा कृषि कार्य में सहभागिता प्रतिरुप

चयनित ग्राम	कुल सर्वेक्षित महिला जनसंख्या	जातिगत संरचना		
		सामान्य जाति की ग्रामीण महिला जनसंख्या का प्रतिशत	पिछडी जाति की ग्रामीण महिला जनसंख्या का प्रतिशत	अनुसूचित जाति की ग्रामीण महिला जनसंख्या का प्रतिशत
अगसौली	44	18.18	31.82	50.00
भटीकरा	60	35.00	48.33	16.67
बसई	55	9.09	21.82	69.09
पांयदापुर	55	30.90	56.36	12.74
योग	**214**	23.83	40.19	35.98

स्रोतः परिवार साक्षात्कार अनुसूची सन् 2022

सिकन्द्राराऊ तहसील की सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या की जातिगत संरचना के ऑकडे तालिका 4 में प्रदर्शित किए गये है। उक्त तालिका से स्पष्ट है कि सन् 2022 में तहसील की कुल सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या में सामान्य वर्ग, पिछडा वर्ग, तथा अनुसूचित जाति की महिला जनसंख्या का प्रतिशत क्रमशः 23. 83, 40.19, तथा 35.98 रहा। सामान्य जाति, पिछडी जाति, तथा अनुसूचित जाति की महिला जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत भटीकरा, पांयदापुर तथा बसई सर्वेक्षित ग्रामों में क्रमशः 35.00, 56.36. तथा 69.09 रहा जबकि सामान्य जाति, पिछडी जाति का न्यूनतम प्रतिशत बसई ग्राम में क्रमशः 9.09 तथा 21.82 रहा। अनुसूचित जाति का न्यूनतम प्रतिशत 12.74 पांयदापुर ग्राम में दर्ज किया गया है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भारतीय जनगणना विभाग द्वारा जातिगत संरचना के ऑकडें सामान्य वर्ग एवं पिछडा वर्ग के रुप में उपलब्ध नहीं करायें जाने के कारण शोध पत्र में सर्वेक्षित महिला जनसंख्या का जातिगत आधार पर तुलनात्मक अध्ययन नहीं किया गया है।

तालिका –6 सामान्य वर्ग की महिलाओं की कृषि कार्य में सहभागिता

चयनित ग्राम	कुल सर्वेक्षित महिला जनसंख्या	सर्वेक्षित महिला जनसंख्या में सामान्य वर्ग की महिला जनसंख्या	विभिन्न कृषि कार्यों में सहभागिता का प्रतिशत		
			कृषक	खेतिहर मजदूर	बटाई कृषि
अगसौली	44	8	––	––	––
भटीकरा	60	21	9.52	––	1
बसई	55	5	2.00	––	––
पांयदापुर	55	17	11.76	––	––
योग	**214**	51	7.84		1.96

स्रोतः परिवार साक्षात्कार अनुसूची सन् 2022

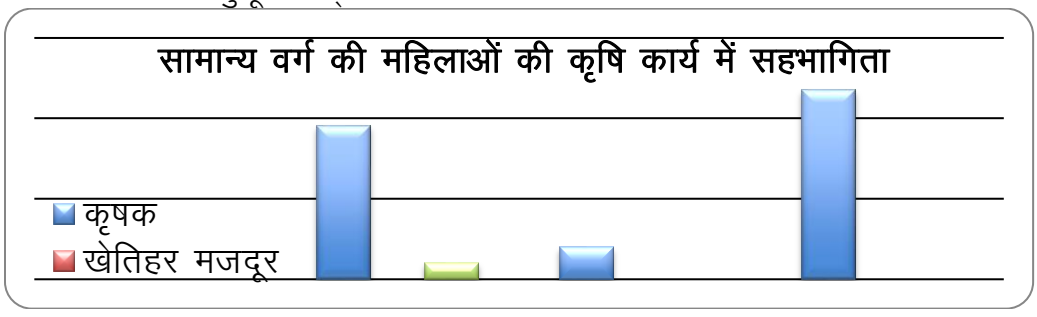

तालिका 6 के विश्लेषण से स्पष्ट है कि तहसील सिकन्द्राराऊ में सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या में सामान्य जाति की जनसंख्या की कृषि कार्य में औसत सहभागिता कृषक के रुप में 7.84 प्रतिशत एवं बटाई कृषि के रुप में 1.96 प्रतिशत दर्ज की गयी। समस्त सर्वेक्षित ग्रामों में खेतिहर मजदूर जनसंख्या शून्य रही। जबकि कृषक महिला जनसंख्या के रुप में प्रतिशत भटीकरा, बसई एवं पांयदापुर ग्राम में क्रमशः 9.52, 2.00 तथा 11. 76 रहा।

तालिका –7 पिछडा वर्ग की महिलाओं की कृषि कार्य में सहभागिता

चयनित ग्राम	कुल सर्वेक्षित महिला जनसंख्या	सर्वेक्षित महिला जनसंख्या में पिछडा वर्ग की महिला जनसंख्या	विभिन्न कृषि कार्यों में सहभागिता का प्रतिशत		
			कृषक	खेतिहर मजदूर	बटाई कृषि
अगसौली	44	14	35.71	21.42	7.14
भटीकरा	60	29	41.37	20.68	10.34
बसई	55	12	41.66	25.00	––
पांयदापुर	55	31	51.61	29.03	6.45
योग	**214**	**86**	**44.18**	**24.41**	**6.97**

स्रोतः परिवार साक्षात्कार अनुसूची सन् 2022

तालिका 7 के अध्ययन से स्पष्ट है कि सिकन्द्राराऊ तहसील की पिछडा वर्ग की सर्वेक्षित ग्रामीण महिलाओं की कृषक, खेतिहर मजदूर तथा बटाई कृषि के रुप में औसत सहभागिता क्रमशः 44.18, 24.41 तथा 6.97 रही। पिछडा वर्ग की ग्रामीण महिलायें कृषक के रुप में सर्वाधिक कृषि कार्य करती हुयी पायी गयी।

तालिका –8 अनुसूचित वर्ग की महिलाओं की कृषि कार्य में सहभागिता

चयनित ग्राम	कुल सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या	सर्वेक्षित महिला जनसंख्या में अनुसूचित वर्ग की महिला जनसंख्या	विभिन्न कृषि कार्यों में सहभागिता का प्रतिशत		
			कृषक	खेतिहर मजदूर	बटाई कृषि
अगसौली	44	22	13.63	63.63	18.18
भटीकरा	60	10	10.00	70.00	––
बसई	55	38	13.15	60.52	18.42
पांयदापुर	55	07	––	71.42	14.28
योग	**214**	**77**	**11.68**	**63.63**	**15.58**

स्रोतः परिवार साक्षात्कार अनुसूची सन् 2022

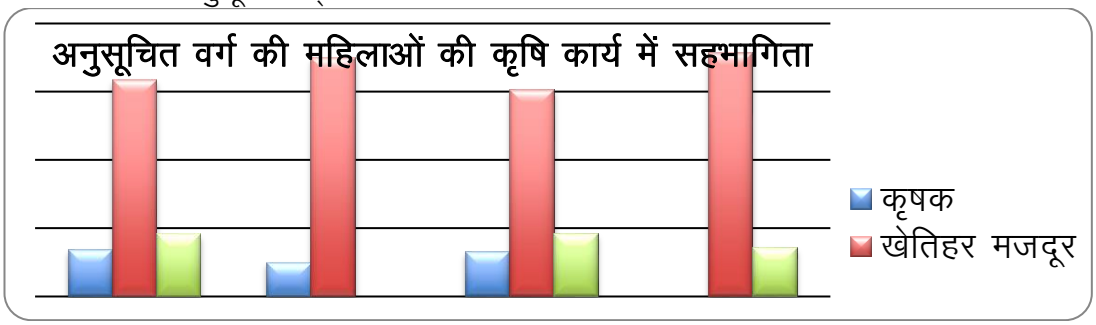

तालिका 8 के अध्ययन करने से स्पष्ट है कि तहसील सिकन्द्राराऊ में सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या में अनुसूचित जाति की ग्रामीण महिला जनसंख्या का औसत प्रतिशत कृषक के रुप में 11.68 प्रतिशत, खेतिहर मजदूर के रुप में 63.63 प्रतिशत तथा बटाई कृषि के रुप में 15.58 प्रतिशत रहा। अनुसूचित जाति की ग्रामीण महिला जनसंख्या में कृषक महिला जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत अगसौली (13.63) ग्राम में तथा न्यूनतम प्रतिशत (10.00) भटीकरा ग्राम में रहा जबकि पांयदापुर में यह प्रतिशत शून्य रहा। दूसरी ओर इसी वर्ग की महिला जनसंख्या का खेतिहर मजदूर के रुप में सर्वाधिक प्रतिशत पांयदापुर एवं भटीकरा ग्राम में क्रमशः 71. 42 तथा 70.00 पाया गया जबकि न्यूनतम प्रतिशत (60.52) बसई ग्राम में दर्ज किया गया। बटाई के रुप में कृषि में सहभागिता का प्रतिशत भटीकरा ग्राम में शून्य रहा जबकि बसई एवं अगसौली ग्राम में यह प्रतिशत लगभग बराबर दर्ज किया गया। न्यूनतम प्रतिशत पांयदापुर ग्राम में दर्ज किया गया। अतः तालिका 5, 6, व 7 के अवलोकन से स्पष्ट है कि सर्वेक्षित ग्रामीण महिला जनसंख्या में कृषक महिला जनसंख्या सामान्य वर्ग, पिछडी वर्ग, तथा अनुसूचित वर्ग में औसत प्रतिशत क्रमशः 7.84, 44.18 तथा 11.68 प्रतिशत रहा जबकि इन्ही वर्गों में खेतिहर मजदूर महिला जनसंख्या का औसत प्रतिशत क्रमशः 00, 24.41, तथा 63.63 रहा तथा बटाई कृषि में संलग्न महिला जनसंख्या का उक्त वर्गों में औसत प्रतिशत क्रमशः 1.96, 6.97 तथा 15.58 दर्ज किया गया।

निष्कर्ष– तहसील सिकन्द्राराऊ में 11.68 प्रतिशत ग्रामीण महिलायें कृषक के रुप में कृषि कार्य कर जीवनयापन कर रही हैं। कृषि में महिलाओं की भागीदारी आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर निर्धारित है जिन महिलाओं का आर्थिक स्तर निम्न है वह खेतिहर मजदूर के रुप में अपना जीविकोपार्जन कर रही है क्योंकि कृषि कार्य में महिलाओं को भी पुरुषों की भांति दक्षता प्राप्त है। जिन महिलाओं का आर्थिक स्तर मध्यम है वह कृषि कार्य बटाई के रुप में कर रही है। साथ ही यह भी स्पष्ट है कि उच्च वर्ग की महिलाओं की अपेक्षा मध्यम एवं निम्न वर्ग की महिलाओं की कृषि में भागीदारी अधिक है जिन स्थानों/ग्रामों में अनुसूचित जाति की महिलाओं की जनसंख्या अधिक है वहाँ पर साक्षरता कम एवं लिगांनुपात अधिक पाया गया तथा ऐसे स्थानों पर महिलाओं की खेतिहर मजदूर के रुप में सहभागिता उच्च मिलती है।

सुझाव–

1. कृषि क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के कार्य को प्राथमिकता एवं पारिश्रमिक (मूल्य) पुरुषों की भांति दिया जाए तथा उन्हें कृषि तकनीकि में प्रशिक्षित किया जाए।
2. ग्रामीण अंचल में महिलाओं एवं बालिकाओं को शिक्षा के अवसर उपलब्ध करायें जाए जिससे वह अपनी दक्षता का स्वतन्त्रता पूर्वक और अधिक सदपयोग कर सकें।
3. कृषि पर आधारित कुटीर उद्योगों की स्थापना कर उनमें महिलाओं की बराबर की हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाए।
4. महिलाओं के प्रति पुरुष प्रधान समाज अपनी संकीर्ण विचारधारा को छोडकर उनके समग्र विकास में सहयोगी बनें क्योंकि कोई भी राष्ट्र महिलाओं की सहभागिता एवं सहयोग के बिना अपने विकास को वास्तविक स्वरुप नहीं दे सकता।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

1. Ali Mohammed (1978) , : " Studies in Agriculture Geography, Rajesh Publication, New Delhi,1978 P.P. 1-6.
2. Banerzee, B. (1964) : Changing Crop Land of West Bengal, Geographical Review of India.
3. Chauhan, D.S. (1966) : Studies in Utilization of Agriculture Land, Agrwal and Co. Agra.
4. Mohammad Shafi (1984) : Regional Productivity and Agriculture Inbalances : A Case Study of Uttar Pradesh, Concept Publishing Company , New Delhi.
5. Chandna R.C. & Sindhu M.S., (1980) : Introduction to Population Geography, Kalyani Publisher New Delhi.
6. Primary cencus Abstract U.P. 2011
7. Statatistical Hand Book Hathras 2021.